

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पुस्तकों के पाठों के आधार पर अपने विवेक से लिखिए -

- 1- 'अतिथि देवो भव' हमारी भारतीय संस्कृति का आदर्श रहा है, लेकिन क्या अपने मान-सम्मान को दायं पर लगाकर आगंतुक का स्वागत करना उचित है? 'जाजि पंचम की नाक' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
- 2- 'जाजि पंचम की नाक' पाठ में सरकारी तंत्र का मजाक उड़ाया गया है। इस कथन के पक्ष में अपने विचार अभिव्यक्त कीजिए।
- 3- 'लखनवी अंदाज़' पाठ के माध्यम से लेखक ने किस बात पर करारा व्यंग्य किया है?
- 4- खीरे को लेखक ने अपदार्थ वस्तु क्यों कहा है? लेखक ने नवाब साहब के खीरा खाने के आग्रह को क्या कहकर टाल दिया?
- 5- "क्रोध हमेशा नकारात्मक भाव लिए नहीं होता, बल्कि कभी-कभी सकारात्मक भी हो जाता है।" आचार्य रामचंद्र शुक्ल के इस कथन के सन्दर्भ में अपने विचार प्रकट कीजिए।
- 6- परशुराम के अनुसार शिवजी के धनुष को तोड़ने वाला व्यक्ति यदि इसी समय सभा को छोड़कर अलग नहीं हुआ तो उसका क्या परिणाम होगा?
- 7- नन्है शिशुकी मुसकान को कवि ने अमूल्य क्यों बताया है? 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर लिखिए।
- 8- फादर कामिल बुल्के की जन्मभूमि कहाँ थी, और उनके अपनी जन्मभूमि के प्रति क्या भाव थे?
- 9- फादर कामिल बुल्के ने प्रयाग विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग से सन 1950 में कौन-सा विशिष्ट कार्य पूरा किया था? वे किस भाषा के मर्मज्ञ विद्वान के रूप में जाने जाते हैं?
- 10- लेखक को फादर बुल्के की कौन-कौन-सी बातें याद आती हैं?

11- रस से क्या अभिप्राय है ? इसी किस प्रकार अनुभव किया जा सकता है ?

12- हिन्दी साहित्य में कितने रस माने गए हैं ? प्रत्येक का स्थायी भाव लिखकर सारिणी तैयार कीजिए।

नोट- यह गृह कार्य- 2, 3, 4 जुलाई, 2018 तक ही जांचा जायेगा।

